वन महोत्सव

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा 'वन-महोत्सव' का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा 72वें वन महोत्सव का आयोजन दिनांक 21 जुलाई, 2021 तथा 22 जुलाई, 2021 को किया गया। दिनांक 21 जुलाई 2021 को रणों पंचायत, जिला सोलन (हि० प्र०) के सांझा भूमि में लगभग 400 चारा प्रजातियों जैसे ब्यूल, कचनार, आदि के पौधों का रोपण किया गया । इस अवसर पर रणों पंचायत के लगभग 25 किसानों, महिला मंडल के सदस्यों एवं संस्थान से डॉ. जगदीश सिंह, वैज्ञानिक- एफ, प्रमुख, विस्तार प्रभाग, डॉ. संदीप शर्मा वैज्ञानिक-जी एवं समूह समन्वयक अनुसंधान, डॉ परवीन रावत , वैज्ञानिक –बी, श्री राजेंदर पाल, वरिष्ठ तकनीशियन एवं शोधर्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि **श्री संजीव ठाकुर** प्रधान, रणों पंचायत ने संस्थान से आए वैज्ञानिको एवं कर्मचारियों का धन्यवाद किया तथा आशा जताई कि भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन संस्थान उनके यहाँ करते रहेंगे। इस अवसर पर ग्राम रणों के गणमान्य व्यक्ति श्री नेक राम, सेवानिवृत अधिषाशी अभियंता; श्री संजीव ठाकुर , उप वनसरक्षक; श्री राजेंदरकुमार,प्रवक्ता अंग्रेजी; श्रीमती वानीता वर्ड मेबर, रणों भी उपस्थित थे तथा उन्होने भी इस तरह के पावन कार्यक्रमों कराने के लिए संस्थान की प्रशंसा की।

22 जुलाई, 2021 को संस्थान के कोनिफ़र कैम्पस में निदेशक, **डॉ. एस.एस. सामंत** की अध्यक्षता में प्रात: 10:30 बजे बुरास का पौधा लगाकर वन महोत्सव का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संस्थान के विभिन्न वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों व शोधार्थियों द्वारा विभिन्न प्रजातियों के लगभग 200 पौधे जिसमें शहतूत, वान व मोरु; जंगली खाद्य प्रजातियाँ : चुली, काफल व जंगली आड़ु; शंकुधारी प्रजातियाँ जूनिपर, तोष, नियोजा व रखाल और बुरास, इलेगनस, *सेपीयम सेबीफेरम,* इत्यादि के पौधे रोपे गए। वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुये **डॉ. सामंत** ने कहा कि हमे 'पेड़ लगाओ, जंगल बचाओ' तथा पर्यावरण के संरक्षण पर काम करना होगा। केवल मात्र पौधरोपण करना ही काफी नहीं है परंतु लगाए गए पौधों का सरंक्षण करना भी हमारा अहम कर्तव्य है। उन्होने कहा कि वन महोत्सव भारत सरकार द्वारा वृक्षारोपण को प्रोत्साहन देने के लिए प्रति वर्ष जुलाई माह में आयोजित किया जाने वाला एक महोत्सव है। राष्ट्रीय स्तर पर इस आंदोलन का आरंभ भारत के तत्कालीन कृषि मंत्री श्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी द्वारा वर्ष 1950 में शुरू किया गया था। वृक्ष वातावरण में उत्सर्जित कार्बन डाई-आक्साईड गैस को ग्रहण कर हमारे जीवन के लिये अतिआवश्यक आक्सीजन देता है। इसके अतिरिक्त हमें अनेक

हि.व.अ.सं.

प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ होने के साथ-साथ पर्यावरण में संतुलन भी बना रहता है । भविष्य में पर्यावरण को संतुलित रखने हेतु वृक्ष लगाना अतिआवश्यक है ।

संस्थान के विस्तार प्रभाग के प्रमुख, **डॉ.जगदीश सिंह, वैज्ञानिक- एफ** ने इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि वन महोत्सव मनाने का मुख्य उदेश्य जनमानस के बीच पौधरोपण और पर्यावरण सरंक्षण के बारे में जागरूकता लाना रहता है । वर्तमान मे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ने लगा है और मौसम में बदलाव आ रहा है, अब जरूरी हो गया है कि वृक्ष लगाना ही नहीं बल्कि बचाना भी होगा । **डॉ. संदीप शर्मा वैज्ञानिक एवं समूह समन्वयक अनुसंधान** ने पौधरोपण की बैज्ञानिक विधि की जानकारी बहुत ही सरल तरीके से बतायी । उन्होने कहा की सही प्रकार से पौधरोपण करने से उत्तरजीविता दर बढ़ायी जा सकती है ।

विस्तार प्रभाग के **प्रमुख डॉ. जगदीश सिंह, डॉ॰ जोगिंदर चौहान, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री कुलवंत राय गुलशन, श्री राजेंदर पाल एवं श्रीमती सपना ठाकुर** ने कार्यक्रम के आयोजन में प्रमुख भूमिका निभाई । **डॉ॰ सामंत, निदेशक,** हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने आयोजन से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों की सरहाना की तथा पौधरोपण मे शामिल सभी लोगों का धन्यवाद दिया तथा सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों को पौधरोपण आयोजन में भागीदारी सुनिश्चित करने और कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने के लिए धन्यवाद दिया ।

हि.व.अ.सं.

रणों पंचायत, सोलन में वन-महोत्सव की कुछ झलकियाँ

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान के कैम्पस में वन-महोत्सव की झलकियाँ

वन महोत्सव
हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान

CLEAN & GREEN
Shimla

हि.व.अ.स.

दैनिक भास्कर हिमाचल 23-07-2021

▪ न्यूज ब्रीफ

एफआरआई में मनाया वन महोत्वस, कई प्रजातियों के 200 से ज्यादा पौधे रोपे

शिमला| हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला में वन महोत्स्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. एसएस सामंत ने बुरांस का पौधा लगाकर महोत्सव का शुभारंभ किया। संस्थान के विभिन्न अधिकारियों, वैज्ञानिकों कर्मचारियों व शोधार्थियों द्वारा कई प्रजातियों के 200 पौधे रोपे। इस दौरान विस्तार प्रभाग के प्रमुख डॉ. जगदीश सिंह, डॉ. जोगिंद्र चौहान, मुख्य तकनीकी अधिकारी कुलवंत राय गुलशन, राजेंदर पाल एवं सपना ठाकुर ने कार्यक्रम के आयोजन में प्रमुख भूमिका निभाई।

वन अनुसंधान संस्थान ने किया पौधारोपण

शिमला : हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान की ओर से सोलन की रणो पंचायत व संस्थान के कैंपस में वन महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डा. एसएस सामंत ने बुरांस का पौधा लगाकर किया। इस दौरान जूनीपर व निओजा के 100 पौधे रोपे गए। डा. सामंत ने विज्ञानियों, अधिकारियों, कर्मचारियों व शोधार्थियों से कहा कि पेड़ लगाकर पर्यावरण का संरक्षण करें। इस अवसर पर संस्थान के प्रमुख विज्ञानी डा. जगदीश सिंह, वरिष्ठ तकनीशियन राजेंद्र, डा. जोगिंद्र चौहान, कुलवंत राय गुलशन, राजेंद्र पाल, सपना ठाकुर आदि मौजूद थे। जासं

एचएफआरआई में हुआ वन महोत्सव का आयोजन

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला में वन महोत्सव मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में संस्थान के निदेशक डॉ. एसएस सामंत ने बुरांस का पौधा लगाकर किया। इसके बाद संस्थान के अधिकारियों, वैज्ञानिकों कर्मचारियों और शोधार्थियों ने विभिन्न प्रजातियों के 200 पौधे रोपे। डॉ. सामंत ने कहा कि पेड़ लगाओ जंगल बचाओ तथा पर्यावरण के संरक्षण पर काम करना होगा। पौधरोपण करना ही काफी नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों का संरक्षण करना भी हमारा कर्तव्य है। ब्यूरो